No. of Printed Pages : 7

BPY-001

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

(B. A. PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2021

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART–I

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all the **five** questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answers to Question No. **1** and **2** should approximately be in **400** words each.*

1. Discuss the common characteristics of Indian Philosophy. 20

Or

Explain the cosmology of Uddalaka as described in the Chhandogya Upanishad in detail.

2. Give a detailed account of the age of Mantras, Brahmanas and Aranyakas. 20

Or

Explain the ethical message of Bhagvad-gita.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each :

(a) Provide an overview of the basic teachings of Brihadaranyaka Upanishad. 10

(b) Explain the ideas of epistemology in Jainism. 10

(c) Explain the different theories of theology in the Vedas. 10

(d) Give a critical estimate of Charvaka's materialism. 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each :

(a) Describe the doctrine of dependent origination. 5

(b) Discuss the characteristics of the self as described in Mandukya Upanishad. 5

(c) How is creation explained in Aitareyopanishad ? 5

(d) Describe the concept of *prana* in Prasna Upnishad. 5

(e) What are the salient features of Svetasvatara Upanishad ? 5

(f) Write a short note on Moksha. 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each :

(a) Mythology 4

(b) Bheeshma's political philosophy 4

(c) Nirvana 4

(d) Triratnas in Jainism 4

(e) Videhmukti 4

(f) Polytheism 4

(g) Turiya 4

(h) Vedangas 4

BPY-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

(बी. ए. दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन भाग-1

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : (*i*) सभी ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(*ii*) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(*iii*) प्रश्न संख्या **1** और **2** में प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।

---

1. भारतीय दर्शन के सामान्य चरित्रगत लक्षणों की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

छान्दोग्य उपनिषद में वर्णित उद्दालक के ब्रह्माण्डशास्त्र की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

2. मन्त्र, ब्राह्मण एवं आरण्यक के युग का विस्तृत विवरण दीजिए। 20

अथवा

भगवद्गीता के नैतिक सन्देश की व्याख्या कीजिए।

3. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए :

(क) बृहदारण्यक उपनिषद् की आधारभूत शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए। 10

(ख) जैन ज्ञानमीमांसा की व्याख्या कीजिए। 10

(ग) वेदों में उपस्थित विभिन्न ईश्वरमीमांसीय सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। 10

(घ) चार्वाकों के भौतिकवाद का आलोचनात्मक वर्णन कीजिए। 10

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए :

(क) आश्रित उत्पत्ति के सिद्धान्त का विवरण दीजिए। 5

(ख) माण्डूक्य उपनिषद् में वर्णित आत्मा के लक्षणों पर विमर्श कीजिए। 5

(ग) ऐतरेयोपनिषद् में सृष्टि की विवेचना कैसे की गई है ? 5

(घ) प्रश्न उपनिषद् में वर्णित प्राण के प्रत्यय का विवरण दीजिए। 5

(च) श्वेताश्वतर उपनिषद् के विशिष्ट लक्षण क्या हैं ? 5

(छ) मोक्ष पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए। 5

5. किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) मिथकशास्त्र 4

(ख) भीष्म का राजनैतिक दर्शन 4

(ग) निर्वाण 4

(घ) जैन त्रिरत्न 4

(ङ) विदेहमुक्ति 4

(च) बहुदेववाद 4

(छ) तुरीय 4

(ज) वेदांग 4